

22वाँ भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन

प्रलिस के लयल:

ऑर्डर ऑफ सेंट एंडर्यू द एपोस्टल, कार्यक्रम-2030, [मेक इन इंडया](#), [चेन्नई-व्लादवोसलोक पूरवी समुद्री गलयारा](#), [अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन](#), [सकल राष्ट्रीय आय](#), [वशिव बैंक](#), [आतमनरिभर भारत](#), [अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षणि परविहन गलयारा](#)

मेन्स के लयल:

भारत-रूस संबध, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और बहुपक्षीय मंचों का महत्त्व

[स्रोत: द हद्वि](#)

चरचा में क्यो?

हाल ही में मॉस्को में 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादमिर पुतनि ने कई मुद्दों पर चरचा की। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को विशेष रूप से सामरिक भू-राजनीतिक तनाव के परपिक्षय में मज़बूत करना था।

22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

- **राजनयिक उपलब्धयिँ:** राष्ट्रपति व्लादमिर पुतनि ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान "[\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\] \[?\]\[?\] \[?\]\[?\]\[?\]\[?\]](#)" से सम्मानति कयि।
 - सेंट एंडर्यू द एपोस्टल ऑर्डर की स्थापना **ज़ार पीटर द ग्रेट** ने वर्ष 1698 में की थी और इसे वर्ष 1998 में पुनः स्थापति कयि गया था, जसिमें दो सरि वाला ईगल प्रतीक एवं हलके नीले रंग का रेशमी मौडर रबिन शामिल है।
 - इस पुरस्कार का नाम **रूस और स्कॉटलैंड के संरक्षक संत सेंट एंडर्यू** के नाम पर रखा गया है, जनिहें यूरोप तथा एशया में ईसाई धरम के प्रचार के लयि जाना जाता है।
 - **रूस और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी एवं मैत्रीपूर्ण संबंधों** को बढ़ावा देने के लयि प्रधानमंत्री मोदी को इस पुरस्कार से सम्मानति कयि गया था तथा इसकी घोषणा वर्ष 2019 में की गई थी, जसिमें द्वपिक्षीय सहयोग बढ़ाने में मोदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया था।
 - **चीनी राष्ट्रपति शी जनिपगि** और पूर्व कजाख राष्ट्रपति नूरसुलतान नज़रबायेव जैसे वदिशी नेताओं को भी इस पुरस्कार से सम्मानति कयि जा चुका है।



- आर्थिक सहयोग: वर्ष 2030 तक 100 बलियन अमेरिकी डॉलर का नया द्वपिक्षीय व्यापार लक्ष्य नरिधारति कथिया गया, जो वर्ष 2025 तक 30 बलियन अमेरिकी डॉलर के पछिले लक्ष्य से काफी अधकि है, जसि वर्ष 2023 में लगभग दोगुना कर दथिया गया है।
 - इसका मुखय कारण यूकरेन पर आक्रमण के बाद अमेरिका और यूरोप द्वारा रूस पर तेल प्रतबिंध लगाए जाने के बाद **भारत द्वारा छुट पर रूसी कचचे तेल का आयात** बढ़ाना है।
 - आर्थिक सहयोग के आशाजनक क्षेत्रों के वकिस के लथि एक व्यापक "कार्यक्रम-2030" तैयार करने पर सहमति।
 - इस कार्यक्रम का समन्वयन **भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्जानकि, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग (India-Russia Intergovernmental Commission on Trade, Economic, Scientific, Technical and Cultural Cooperation- IRIGC-TEC)** द्वारा कथिया जाएगा।
 - IRIGC-TEC द्वपिक्षीय आर्थिक सहयोग के लथि शीर्ष G2G मंच है जसिकी अध्यक्षता भारत के वदिश मंत्री और रूस के उप-प्रधानमंत्री करते हैं।
 - **भारत और यूरेशयिन आर्थिक संघ** के बीच वस्तुओं पर मुक्त व्यापार समझौते के लथि वार्ता शुरू की जा चुकी है। वे सेवाओं और नविश में भी द्वपिक्षीय मुक्त व्यापार समझौते पर वचिर कर रहे हैं।
 - नेताओं ने "**मेक इन इंडिया**" और "**आत्मनरिभर भारत**" कार्यक्रमों में **रूसी व्यवसायों** की भागीदारी तथा रूस में नविश परथिोजनाओं में भारतीय कंपनथियों की भागीदारी को सुवधिरजनक बनाने पर सहमति वियक्त की।
- **रक्षा और प्रौद्योगिकी:** दोनों देशों के करेता-वकिरेता संबंध से आगे बढ़कर संयुक्त अनुसंधान, वकिस, सह-वकिस और उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी तथा प्रणालथियों के संयुक्त वकिस हेतु वार्ता की गई।
 - इनका उद्देश्य **मेक-इन-इंडिया कार्यक्रम** के तहत भारत में **रूसी मूल के हथथिराओं और रक्षा उपकरणों** के लथि स्पेयर पार्ट तथा घटकों के **संयुक्त वनिरिमाण** को प्रोत्साहति करना भी है।

- इसमें भारतीय सशस्त्र बलों की ज़रूरतों को पूरा करने और उसके पश्चात् मतिर देशों को इसका नरियात करनेके लयि संयुक्त उद्यम स्थापति करना शामिल है ।
- दोनों देशों ने सैन्य और सैन्य तकनीकी सहयोग पर अंतर-सरकारी आयोग (Intergovernmental Commission on Military and Military Technical Cooperation - IRIGC-M&MTC) की अगली बैठक में इसके प्रावधानों पर वार्ता करने के लयि एक नया कार्य समूह स्थापति करने पर सहमत वियकृत की ।
- रूसी राष्ट्रपति व्लादमिर पुतनि ने **युक्रेनी युद्ध** मोर्चे पर **रूसी सेना में सेवारत** और भारत लौटने की इच्छा रखने वाले भारतीय सैन्य कर्मियों को सेवामुक्त करने के भारत के प्रधानमंत्री के अनुरोध को स्वीकार कयि ।
- रूसी कानून में मानसकि और शारीरिक जाँच सहति अन्य गहन जाँच के बाद **वदिशी सैनिकों की** रूस की सेना में **भरती** का प्रावधान है ।
- शखिर सम्मेलन लंबे समय से प्रतीकषति **रसद आदान-परदान समझौते (RELOS)** पर हस्ताकषर कयि बना ही समाप्त हो गयि । इस समझौते से रूस और भारत के बीच सैन्य अभयिनों के लयि रसद सहायता परदान की जाती ।
 - इस समझौते से भारतीय नौसेना को सबसे अधिक लाभ होता, क्योंकि उसे आर्कटकि में **रूसी सैन्य सुवधिओं** तक पहुँच प्राप्त होती ।
- **परविहन और कनेक्टविटि:** दोनों पक्षों ने यूरेशयिा में स्थरि और कुशल परविहन गलयिारे वकिसति करने पर वचिार कयिा जिसमें **चेन्नई-व्लादविसतोक ईसटरन मैरीटाइम कॉरडोर** तथा **इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरडोर (INSTC)** शामिल हैं ।
 - **चेन्नई-व्लादविसतोक समुद्री गलयिारा**, भारत के पूरवी तट पर स्थति बंदरगाहों और रूस के सुदूर-पूरवी कषेत्र के बंदरगाहों के बीच एक समुद्री संपर्क है जिससे वर्ष 2019 में प्रस्तावति कयिा गयि था और इसका उद्देश्य वभिन्न प्रकार के माल का परविहन करना तथा **भारत-रूस परविहन समय को 40% तक कम करना** है ।
 - INSTC एक बहुवधि परविहन मार्ग है जिसकी अभकिलपना सदस्य देशों के बीच परविहन सहयोग को बढ़ावा देने के लयि **ईरान, रूस और भारत** द्वारा वर्ष 2000 में सेंट पीटर्सबर्ग में की गई थी ।
 - यह गलयिारा हदि महासागर और फारस की खाड़ी को ईरान के माध्यम से कैस्पयिन सागर से जोड़ता है तथा रूसी संघ के माध्यम से सेंट पीटर्सबर्ग एवं उत्तरी यूरोप से जुड़ा हुआ है ।
 - दोनों पक्षों का उद्देश्य बुनयिादी ढाँचे की कषमता में वृद्धिकरना और **उत्तरी समुद्री मार्ग** का उपयोग करना है । दोनों पक्ष कार्गो परविहन के समय और लागत को कम करने तथा यूरेशयिाई कषेत्र में कनेक्टविटि को बढ़ावा देने के लयि मलिकर कार्य करेंगे ।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (2021-22) में भारत की स्थायी सदस्यता की सराहना की और शांति स्थापना तथा आतंकवाद-रोधी प्रयासों में भारत का समर्थन कयिा ।
 - रूस ने संशोधति एवं वसितारति **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद** में भारत की स्थायी सदस्यता के लयि अपना समर्थन दोहराया ।
 - भारत ने "न्यायसंगत वैश्वकि वकिस और सुरक्षा के लयि बहुपक्षवाद को मज़बूत करना" वषिय के अंतर्गत वर्ष 2024 में रूस की **बरकिस** अध्यक्षता के लयि पूरण समर्थन व्यकृत कयिा ।
 - बहुपक्षवाद को पुनर्जीवति करने के लयि संयुक्त राष्ट्र, **G-20, बरकिस** और **शंघाई सहयोग संगठन** (Shanghai Cooperation Organization- SCO) जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर घनषि्ट सहयोग पर बल दयिा गयि है ।
 - भारतीय पक्ष ने **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance- ISA)**, **आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन** (Coalition for Disaster Resilient Infrastructure- CDRI) और **इंटरनेशनल बगि कैट एलायंस** (International Big Cat Alliance- IBCA) में रूस के शामिल होने की आशा व्यकृत की ।
- **वैश्वकि मामले:**
 - **जलवायु परिवर्तन:** जलवायु परिवर्तन से नपिटने और **जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फरेमवरक कन्वेंशन (UNFCCC)** तथा **पेरिस समझौते** के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लयि प्रतबिद्धता, जिसमें **नमिन-कारबन वकिस** एवं **हरति वतितपोषण** पर सहयोग शामिल है ।
 - **बहुधरुवीय वशिव व्यवस्था:** बहुधरुवीय वशिव व्यवस्था की आवशयकता तथा **यूरेशयिाई अंतरकिष और हदि एवं प्रशांत महासागर कषेत्रों** में समान तथा अवभाज्य कषेत्रीय सुरक्षा की संरचना के वकिस पर बल दयिा गयि ।
 - **आतंकवाद का वशिध:** नेताओं ने आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही और **आतंकवाद** के वतितपोषण नेटवरक सहति सभी रूपों तथा अभवियकृतियों में आतंकवाद एवं **हसिक उग्रवाद** की स्पष्ट रूप से नदिा की ।
 - दोनों पक्षों ने **अंतर्राष्ट्रीय संगठति अपराध, धन शोधन** या **मनी लॉन्डरिंग (Money Laundering)**, आतंकवादी वतितपोषण और **मादक पदार्थों** की तस्करी से नपिटने में बहुपक्षीय सहयोग को मज़बूत करने के लयि अपनी प्रतबिद्धता की पुष्टि की ।

रूस को उच्च आय वाले देश का दर्जा दलाने में कनि कारकों का योगदान रहा?

- **वभिन्न कषेत्रों में आर्थकि वकिस:** वशिव बैंक देशों को उनकी प्रत वियकृत सकल राष्ट्रीय आय (Gross National Income- GNI) के आधार पर वर्गीकृत करता है, जिससे एटलस पद्धति (**करय शक्ति समता** के लयि लेखांकन) का उपयोग करके अमेरिकी डॉलर में व्यकृत कयिा जाता है ।
 - जुलाई 2024 तक, "उच्च आय" की सीमा **14,005 अमेरिकी डॉलर** है । रूस ने वर्ष 2023 में 14,250 अमेरिकी डॉलर प्रत वियकृत सकल राष्ट्रीय आय के साथ इस सीमा को पार कर लयिा ।
 - हाल के वर्षों में रूस ने व्यापार (+6.8%), वत्तीय कषेत्र (+8.7%) और नरिमाण (+6.6%) में उल्लेखनीय वृद्धि देखी, जिससे वास्तवकि (3.6%) तथा नाममात्र (10.9%) सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हुई ।
- **सैन्य खर्च का प्रभाव:** वर्ष 2023 में सैन्य-संबंधी गतविधियों में पर्याप्त वृद्धि से आर्थकि गतविधि को बढ़ावा मलिया, हालाँकि वशिषज्जों का सुझाव है कयिह वृद्धि टिकाऊ नहीं हो सकती है ।

- **व्यापार विधिीकरण:** पश्चिमी प्रतर्बिधों के कारण व्यापार पैटर्न में बदलाव आया, जसिसे **G7** और यूरोपीय संघ के देशों पर नरिभरता कम हो गई तथा चीन, भारत, तुर्की, मध्य एशिया एवं दक्षिण काकेशस के साथ लेन-देन में वृद्धि हुई।
- **लचीला ऊर्जा क्षेत्र:** अपने ऊर्जा क्षेत्र पर प्रतर्बिधों के बावजूद, रूस ने वैश्विक तेल की कीमतों और रणनीतिक व्यापार विधिीकरण का लाभ उठाते हुए, समग्र नरियात मात्रा को स्थिर बनाए रखा।
- **राजकोषीय प्रोत्साहन और नविश:** राजकोषीय प्रोत्साहन और रक्षा व्यय में वृद्धि (**GDP** का अनुमानित 7%) सहित सरकारी पहलों ने आर्थिक सुधार तथा विकास को समर्थन दिया।
- **जॉब मार्केट और उपभोक्ता व्यय:** कम बेरोज़गारी, बढ़ती मज़दूरी तथा मज़बूत नज़ी खपत ने आर्थिक स्थिरता एवं विकास में सकारात्मक योगदान दिया।
- वर्ष 2014 के पहले के प्रतर्बिधों से उबरते हुए, रूस ने मौजूदा चुनौतियों को कम करने के लिये अपनी आर्थिक नीतियों और बुनियादी ढाँचे में नविश को अनुकूलित किया।

वशिव बैंक का राष्ट्रीय आय वर्गीकरण क्या है?

- **परिचय:** वशिव बैंक समूह द्वारा वशिव की अर्थव्यवस्थाओं को **चार आय वर्गों में विभाजित** किया है: **समूह:** नमिन, नमिन-मध्य, उच्च-मध्य और उच्च।
 - यह वर्गीकरण पछिले कैलेंडर वर्ष की **प्रतिव्यक्त सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर 1 जुलाई को प्रतिवर्ष अद्यतन** किया जाता है।
 - वशिव बैंक के आय वर्गीकरण का उद्देश्य आर्थिक क्षमता के संकेतक के रूप में प्रतिव्यक्त एटलस GNI का उपयोग करते **हुकिसी देश के विकास के स्तर को प्रतिबिंबित करना** है।
- **वर्गीकरण की सीमाएँ:**
 - **नमिन आय:** 1,145 अमेरिकी डॉलर या उससे कम;
 - **नमिन-मध्यम आय:** 1,146 अमेरिकी डॉलर से 4,515 अमेरिकी डॉलर;
 - **उच्च-मध्यम-आय:** 4,516 अमेरिकी डॉलर से 14,005 अमेरिकी डॉलर ;
 - **उच्च आय:** 14,005 अमेरिकी डॉलर से अधिक।
 - **आर्थिक विकास, मुद्रास्फीति, वनिमिय दर तथा जनसंख्या वृद्धि** जैसे कारक कसिी देश की प्रतिव्यक्त सकल राष्ट्रीय आय को प्रभावित कर सकते हैं।
- **क्षेत्रीय मुख्य आकर्षण:**
 - दक्षिण एशिया में नमिन आय वाले देशों की हसिसेदारी वर्ष 1987 में **100% से घटकर वर्ष 2023 में मात्र 13%** रह गयी है।
 - वशिव बैंक के अनुसार, **भारत एक नमिन-मध्यम आय वाला देश** है। भारत वर्ष 2007 से इस श्रेणी में है, जब यह नमिन-आय श्रेणी से ऊपर आया था।
 - वर्ष 2023 तक, PPP के संदर्भ में **भारत की प्रतिव्यक्त GNI लगभग 10,030 अमेरिकी डॉलर** है।
 - मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में, कम आय वाले देशों की हसिसेदारी वर्ष 1987 में 0% से बढ़कर वर्ष 2023 में 10% हो गई है।
 - लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में, उच्च आय वाले देशों की हसिसेदारी वर्ष 1987 में 9% से बढ़कर वर्ष 2023 में 44% हो गई है।
 - यूरोप और मध्य एशिया में वर्ष 2023 में उच्च आय वाले देशों की हसिसेदारी वर्ष 1987 (71%) की तुलना में थोड़ी कम (69%) होगी।

नोट: GNI, एक नशिचति अवधि, आमतौर पर एक वर्ष में नवासियों द्वारा दावा किये गए कुल घरेलू और वदेशी मूल्य वर्धन को मापता है, जसि कर्य शक्ति समता दरों का उपयोग करके अंतरराष्ट्रीय डॉलर में व्यक्त किया जाता है।

- इसमें **सकल घरेलू उत्पाद के साथ-साथ गैर-नवासी स्रोतों से प्राथमिक आय की शुद्ध प्राप्तियाँ** शामिल होती हैं तथा यह आय की समग्र माप प्रदान करता है।

नशिर्कष

22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन ने दोनों देशों के बीच मज़बूत रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित किया, जसिमें महत्त्वपूर्ण राजनयिक सम्मान, महत्वाकांक्षी आर्थिक लक्ष्य शामिल हैं। **वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने हेतु अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।** शिखर सम्मेलन के परणाम क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक विकास और वैश्विक मंच पर आपसी सम्मान के लिये एक साझा दृष्टिकोण को दर्शाते हैं, जो वकिसति हो रही अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता के बीच **भारत-रूस संबंधों की स्थायी प्रकृति को मज़बूत करते हैं।**

११११११ ११११११ ११११११:

परश्न. हाल के भू-राजनीतिक बदलावों जैसे बहुधुरीयता का उदय तथा बढ़ती वैश्विक रणनीतिक प्रतिस्पर्द्धा ने भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी

को किस प्रकार प्रभावित किया है?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. हाल ही में भारत ने नमिनलखिति में से किस देश के साथ 'नाभकीय क्षेत्र में सहयोग क्षेत्रों के प्राथमकीकरण और कार्यान्वयन हेतु कार्ययोजना' नामक सौदे पर हस्ताक्षर किये हैं? (2019)

- (A) जापान
- (B) रूस
- (C) यूनाइटेड किंगडम
- (D) संयुक्त राज्य अमेरिका

उत्तर: B

??????:

प्रश्न. भारत-रूस रक्षा समझौतों की तुलना में भारत-अमेरिका रक्षा समझौतों की क्या महत्ता है? हदि-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में स्थायतिव के संदर्भ में चर्चा कीजिये। (2020)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/22nd-india-russia-annual-summit>

